



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 17, 1979 (फाल्गुन 26, 1900)
No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 17, 1979 (PHALGUNA 26, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 127	जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	पृष्ठ 765
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	321	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	741
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	15	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	101
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	195	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवायोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	2075
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	321	भाग III—खंड 2—एकसूच कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	161
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रश्न समितियों की रिपोर्टें		भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और		भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	983
		भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	29

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	127	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	765
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	321	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	741
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence	15	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	101
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	195	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	2075
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	321	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	161
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	-	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	-	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	983
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	29

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएँ

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 फरवरी 1979

आदेश

सं० 27 (26) 79 सी० एल० 2—कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 290 क की उपधारा 1 के खंड (2) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग के निम्नांकित अधिकाधिकारों को कथित धारा 209 क के उद्देश्य के लिए प्राधिकृत करते हैं :—

1. श्री सूरज कपूर, संयुक्त निदेशक, निरीक्षण, कम्पनी विधि बोर्ड, नई दिल्ली।
2. श्री बी० भवानी शंकर, संयुक्त निदेशक, लेखा, कम्पनी विधि बोर्ड, नई दिल्ली।
3. श्री एन० के० गोयल, संयुक्त निदेशक, निरीक्षण, कम्पनी विधि बोर्ड, नई दिल्ली।

2 केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, श्री सूरज कपूर, संयुक्त निदेशक (लेखा) तथा श्री बी० भवानी शंकर, उप निदेशक, निरीक्षण के पक्ष में प्रेषित दिनांक 6-2-78 के आदेश संख्या 27 (8) 77 सी० एल० 2 तथा दिनांक 7 जून 1978 के आदेश सं० 27 (5) 76 सी० एल०-2 के प्राधिकरण को रद्द करते हैं।

एस० बलरामन, प्रवर सचिव

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1979

सं० 11013/1/79-आई० ई० एस०—निम्नलिखित सेवाओं में ग्रेड-IV की रिक्तियों को भरने के लिए 1979 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतिभागता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

(i) भारतीय अर्थ सेवा, और

(ii) भारतीय सांख्यिकीय सेवा

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए

रिक्तियों का आरक्षण सरकार द्वारा यथा निर्धारित रूप में किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/जनजातियों से अभिप्राय निम्नलिखित आदेशों उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से है :—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, [अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां सूचियां (आशोधन) आदेश 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम-1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1959 [अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (शांकरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश 1962 संविधान (वावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1962 संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश 1964 संविधान (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967 संविधान (गोवा दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश 1968 संविधान (गोवा दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1968 और संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4 उम्मीदवार—

(क) भारत का नागरिक या

(ख) नेपाल की प्रजा या

(ग) भूटान की प्रजा अवश्य हो या

(घ) ऐसा सिक्कीमी शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी 1962 से पहले भारत आ गया हो या

(ङ) कोई भारत मूलक व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों

जांबिया, मलावी, जैरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रजनन पर प्राप्ता हो।

परन्तु (ख), (ग), घ और (ङ) बर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पालता (एलि-जोबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पालता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पालता प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया हो।

5(क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी 1979 को 21 वर्ष पूरी हो गई हो किन्तु 28 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी 1951 से पहले और 1 जनवरी 1958 के बाद नहीं हुआ हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी :—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।
- (vi) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) है और ऐसा उम्मीदवार जिस के पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाणपत्र है और जो वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कामियों को अधिक तीन वर्ष।

(x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे रक्षा कामियों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(xi) 1971 के भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के रक्षा कामियों के लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(xii) 1971 के भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कामियों के लिए, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति के हों अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(xiii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और इंगानिया, संयुक्त गणराज्य से प्रजनन किया हो या जांबिया मलावी जैरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(ग) ऐसा उम्मीदवार जो निम्नलिखित तारीख अर्थात् पहली जनवरी, 1979 को निर्धारित ऊपरी आयु-सीमा से अधिक आयु का हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुकरण अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध किया गया था या 25-6-75 तथा 21-3-77 के बीच की आन्तरिक आपात स्थिति की अवधि के दौरान अभिकथित राजनैतिक कार्य-कलापों या तत्कालीन प्रतिबंधित संगठनों से सम्बन्धित होने के कारण भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत अने नियमों के अधीन गिरफ्तार या कैद हुआ था और इस प्रकार उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु-सीमा के अन्तर्गत होने पर भी परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया गया था, इस शर्त पर परीक्षा में बैठने का पात्र होगा कि जून 1975 और मार्च, 1977 के बीच की अवधि के दौरान वह परीक्षा में कम से कम एक बार भी नहीं बैठ पाया हो अर्थात् (उसने परीक्षा छोड़ दी हो) जिसके लिए वह सब प्रकार से पात्र था।

टिप्पणी :—इस रियायत के अन्तर्गत जो कि 31-12-1979 के बाद होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिए ग्राह्य नहीं होगी एक से अधिक अवसर नहीं दिया जाएगा।

ऊपर दी गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

5. भारतीय भर्षे सेवा के लिए उम्मीदवार के पास केन्द्र या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम 1956 द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की अर्थशास्त्र या सांख्यिकी विषय सहित डिग्री होनी चाहिए और भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास सांख्यिकीय या गणितीय अर्थशास्त्र विषय सहित डिग्री अथवा उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

टिप्पणी I : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किन्तु अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 अक्टूबर 1979 तक प्रस्तुत नहीं करने तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी II- विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है जिसके पास पूर्वोक्त योग्यताओं में से कोई भी योग्यता न हो बशर्ते कि उक्त उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण की हो जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे,

टिप्पणी III-यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा अर्हता प्राप्त हो किन्तु उसने किसी विदेशी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में अस्थायी रूप में काम कर रहे हों चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप में नियुक्त भी क्यों न हों पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों, उन सबको अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान की ओर से आयोग के नोटिस के अनुबन्ध के पैरा 2 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार "आपत्ति प्रमाण-पत्र" प्रस्तुत करना होगा।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एन्वॉयन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया हो अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है अथवा
- (iv) जानी प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में फेर-बदल किया गया हो अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है अथवा
- (vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किन्हीं अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो अथवा
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अशुद्ध आशय की हों अथवा

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो अथवा

(x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक शक्ति पहुंचाई हो अथवा;

(xi) पूर्वोक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अवप्रेरित करने का प्रयास किया हो जैसी भी स्थिति हो तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप में अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से

(ii) केंद्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपवर्जित किया जा सकता है और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में अपने न्यूनतम अर्हक शंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय में निश्चित करें तो उसे आयोग व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. परीक्षा के बाद आयोग उम्मीदवारों के द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनायेगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों की आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए अनुशंसा की जाएगी। उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर जितनी अनारक्षित रिक्तियों को भरने का निर्णय किया जाता है वे निम्नवृत्तियां उनको देखकर होंगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं लिए जा सकते हों तो उनके आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर बाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान क्यों न हो नियुक्ति के लिए उनकी अनुशंसा की जा सकेगी बशर्ते कि वे उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पताचार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ रहा हो, तो उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र देने समय ध्यान दिए गए बरीयता क्रम पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक थे उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दर्शाए गए बरीयता क्रम में परिवर्तन से संबंध किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद सन्तुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को भौतिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरी नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा करायी जा सकती है।

टिप्पणी : कहीं निराशा न होना पड़े इसलिये उम्मीदवारों को मलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा ले। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार की किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके बारे में उन नियमों के परिशिष्ट III में दिए गए हैं। रक्षा सेनाओं के अनुपूर्व विकलांग हुए तथा उसके फल-स्वरूप निर्मुक्त हुए सैनिकों को और 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के कामियों की सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

18. जिन व्यक्ति ने :—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया हो जिसका पहले से जीवित पति/पत्नी हो, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के सम्बन्ध में अर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट II में दिया गया है।

पी० जी० लेले, उप सचिव

परिशिष्ट-I

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग-I—नीचे दिखाए गए विषयों में एक लिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे।

भाग-I—आयोग द्वारा जिन उम्मीदवारों को बुलाया जाता है, उनके लिए मौखिक परीक्षा होगी [इस परिशिष्ट की अनुसूची का भाग (क) देखिए] जिसके पूर्णांक 250 होंगे।

2. भाग I के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है :—

क्रमांक	विषय	पूर्णांक	निर्धारित समय		
1	2	3	4	5	6
क. भारतीय अर्थ सेवा					
1.	सामान्य अंग्रेजी	150		3 घंटे	
2.	सामान्य अध्ययन	150		3 घंटे	
3.	सामान्य अर्थशास्त्र (भाग I और भाग II)	200	भाग I भाग II	1 घण्टा 2 घण्टे	3 घंटे
4.	सामान्य अर्थशास्त्र II (भाग I और II)	200	भाग I भाग II	1 घण्टा 2 घंटे	3 घण्टे
5.	भारतीय अर्थशास्त्र (भाग I और II)	200	भाग I भाग II	1 घण्टा 2 घण्टे	3 घण्टे

ख. भारतीय सांख्यिकीय सेवा

1.	सामान्य अंग्रेजी	150	3 घण्टे
2.	सामान्य अध्ययन	150	3 घण्टे
3.	सांख्यिकी I	200	3 घण्टे
4.	सांख्यिकी II	200	3 घण्टे
5.	सांख्यिकी III	200	3 घण्टे

नोट I—सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन विषयों पर प्रश्नपत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे।

नोट II—भारतीय अर्थ सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 के विषयों से संबंधित प्रश्नपत्र के भाग I में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे और इन विषयों के प्रश्नपत्रों के भाग II में संक्षिप्त उत्तर और निबंध वाले प्रश्न पूछे जायेंगे।

नोट III—भारतीय सांख्यिकीय सेवा के क्रमांक 3 और 4 विषयों के प्रश्नपत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे और क्रमांक 5 से संबंधित प्रश्नपत्र में निबंध वाला प्रश्न पूछा जाएगा।

नोट IV—अन्य विवरण के लिए, जिसमें विभिन्न विषयों के प्रश्नपत्रों में पूछे जाने वाले वस्तुपरक प्रश्न भी शामिल हैं, परिशिष्ट IV पर उम्मीदवारों की विवरणिका देखिए;

नोट V—उपर्युक्त विषयों के स्तर और पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिए गए हैं।

3. सभी प्रश्नपत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखने चाहिए।

4. उम्मीदवार को प्रश्नपत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्द्धक अंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिए जाएंगे।

7. केवल सही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम शब्दों में मुख्यस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अभिव्यंजना को श्रेय दिया जाएगा।

9. प्रश्नपत्रों में जहाँ आवश्यक हो, तीनों और मापों की केवल मेट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुसूची भाग 'क'

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्नपत्रों संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सिद्धांत की तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करें और सिद्धांत की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। अर्थशास्त्र और सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं में विशेष रूप से परिचित हों।

सामान्य अंग्रेजी

प्रश्न इस प्रकार पूछे जाएंगे जिसमें उम्मीदवारों को अंग्रेजी समझने और अंग्रेजी शब्दों का कुशल प्रयोग करने की क्षमता की जांच हो सके।

सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र में वर्तमान घटनाक्रम की जानकारी शामिल होगी और कुछ ऐसे मामले भी होंगे जो वैदिक निरीक्षण और अनुभव से संबंधित हैं और जिनको वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एक पड़ा लिखा धादसी समझ सकता है। इस प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित प्रश्न भी होंगे जिनका स्तर उच्चतर विशेष अध्ययन के बिना ही उम्मीदवार दे सके।

सामान्य अर्थशास्त्र-I

उपभोक्ता की मांग का सिद्धांत। तटस्थता वक्र विश्लेषण, प्रकट अधिमानता अधिगम।

उत्पादन का सिद्धांत : उत्पादन के तत्त्व, उत्पादन क्रम, प्रतिफल के नियम, प्रतिष्ठान और उद्योग का संतुलन।

मूल्य का सिद्धांत : विपणन व्यवस्था के विभिन्न रूपों में मूल्य निर्धारण सार्वजनिक उपयोगिता मूल्यन।

वितरण सिद्धांत : उत्पादन के तत्त्वों का मूल्यन, भाड़ा, मजदूरी, ब्याज और लाभ के सिद्धांत विज्ञान वितरण सिद्धांत संकलन समस्या आय वितरण में असमानताएं।

कल्याण मूलक अर्थशास्त्र : प्राचीन और नवीन कल्याणमूलक अर्थशास्त्र, क्षतिपूर्ति नियम, नीतिमूलक ग्रंथियां।

राष्ट्रीय आय की अवधारणा-सामाजिक लेखा, नियोजन का सिद्धांत, निपज और मुद्रास्फीति, शास्त्रीय और नवशास्त्रीय अधिगम नियोजन के संबंध में कीन्स का सिद्धांत और कीन्स के बाद की गतिविधियां।

सामान्य अर्थशास्त्र-II

आर्थिक विकास की अवधारणा और उसका मापन-विकास के सिद्धांत विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समस्याएं : जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विकास।

आयोजन : अवधारणा और पद्धतियां : आर्थिक संगठन की पूंजीवादी और समाजवादी प्रणालियों के अन्तर्गत आयोजन मिश्रित अर्थ व्यवस्था में

आयोजन, परिवर्णान्तरक आयोजन, क्षेत्रीय आयोजन, निवेश के निर्धारण और प्रविधियों का चयन।

अन्तर राष्ट्रीय अर्थशास्त्र : अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत, व्यापार संलाभ, व्यापार की शर्तें, व्यापार नीति, अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास व्यापार शुल्क पद्धति के सिद्धांत।

भुगतान संतुलन : भुगतान संतुलन में असमानताएं, समंजन की प्रक्रिया विदेश व्यापार विनियम की वरें। आयात और विनियम के नियंत्रक।

आई० एम० एफ० और अन्तर राष्ट्रीय मुद्रा सुधार—जी० ए० टी० टी०, आर्थिक विकास के लिए अन्तरराष्ट्रीय सहायता, आई० बी० आर० जी० और उसके अनुबंध।

मुद्रा :—उसका मूल्य और प्रयोजन, मुद्रा नीति, केन्द्रीय और बाणिज्यिक बैंकों के कार्य।

राजविनीय नीति और उसके लक्ष्य : कराधान और व्यय के सिद्धांत, सार्वजनिक व्यय के लक्ष्य और परिणाम, कराधान का प्रभम और घट-घाटे की वित्त व्यवस्था, सार्वजनिक ऋण का सिद्धांत।

अर्थशास्त्र में सांख्यिकी का प्रयोग, सांख्यिकीय श्रोतों और विचलन के माप मूल्यों और परिमाणों के सूचकांक उनकी सीमाएं।

भारतीय अर्थशास्त्र

भारतीय अर्थ व्यवस्था के बुनियादी लक्षण-विकास संज्ञ-कृषि और उद्योग की भूमिका-विदेश-व्यापार की भूमिका-संतुलित विकास की अवधारणा।

आयोजन, उद्देश्य, प्राथमिकताएं और समस्याएं—पंचवर्षीय योजनाएं—साधन संग्रहण की समस्या।

कृषि : नया कृषि-संज्ञ-भूमि-संध और भू सुधार—देहाती साक्ष—सिंचाई और उर्वरकों का स्थान—कृषि विपणन—कृषि उत्पादों के मूल्य—कसव आयोजन—सामुदायिक विकास—उपाजीविका और ग्रामोद्योग।

सहकारिता : ग्रामीण विकास में इसका स्थान—भारत में सहकार आंदोलन का विकास।

उद्योग : औद्योगिक विकास का बृह—स्थल निर्देश की समस्या—बुनिया-कार और लघु उद्योगों की समस्याएं—औद्योगिक नीति—औद्योगिक संघर्ष—औद्योगिक वित्त के संसाधन—विदेशी पूंजी की भूमिका—सार्वजनिक उद्यम : संगठन प्रबंध नियंत्रण और समर्थनीयता मूल्य नीति।

श्रम : रोजगारी, बेरोजगारी और कम रोजगारी—औद्योगिक संघर्ष—श्रम कल्याण—श्रम नीति—मजदूरी, मूल्य और आय नीति—

विदेशी व्यापार : भारत के विदेशी-व्यापार की प्रमुख विशेषताएं—विदेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार-भुगतान संतुलन।

मुद्रा और बैंकिंग : भारतीय मुद्रा विपणन का संगठन—बाणिज्यिक बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंकों की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति—

सार्वजनिक वित्त : वित्तीय नीति—सार्वजनिक व्यय की वृद्धि-कराधान नीति—सघ और राज्य सरकारों के लिए राजस्व के प्रमुख स्रोत—सार्वजनिक ऋण नीति—बाटे की वित्त व्यवस्था—संघ और राज्यों के बीच वित्तीय संबंध—

सांख्यिकी—I

नोट : केवल वस्तुपूर्वक (बहुविकल्पक) प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्राथिकता (40 प्रतिशत प्रधानता) —साप सिद्धांत के तत्त्व-प्रसिद्ध परिभाषाएं और स्वयं मित्र अभिगम—प्रतिदर्श प्रवर्णन—संकुल और संकलित प्राथिकता के नियम—घटनाओं में से घटनाओं को प्राथिकता—प्रतिबंधित प्राथिकता—वेयर्स का प्रमेय—सांख्यिक विवरण—विवरण और अविवरण—विवरण कार्य—मानक प्राथिकता वितरण—बर्नोली, समरूप, द्विपदीय, पाइसन, ज्यामितीय, आयतन, घातीय, सामान्य, काची, पराज्यामितीय, बहुपदीय, लाप्लेस, श्रेणीद्विपदीय, भीटा, सामा, लघुसामान्य तथा संकलित पाइसन वितरण—अभिगम, वितरण में, प्राथिकता में और प्राथिकता एक के साथ और साध्य वर्ग में—आधुनिक और संचायक—गणितीय अपेक्षा और प्रतिबंध अपेक्षा—लक्षणात्मक फलन और आधुनिक तथा प्राथिकता जनक फलन—क्लोम विलक्षणता और सामान्य सिद्धांत—टेकेवाइचेक और कोल्मोरोरोव असमानताएं—बृहद् संख्या नियम और स्वतंत्र विवरणों के लिए केन्द्रीय सीमा सिद्धांत।

सांख्यिकीय पद्धतियां (45 प्रतिशत प्रधानता)

तथ्यों का संग्रह, संकलन और प्रस्तुतीकरण—चार्ट, डायग्राम और हिस्टोग्राम—आधुनिक वितरण—निर्देशन, विक्षेपण और विद्यमानता का माप विवरण और बहुवर्णन तथ्य—साहचर्य और आसंग—वक्र समंजन और लॉजिक बहुपद—विवरण वितरण—विवरण सामान्य वितरण—समाश्रय, रेखीय, बहुपदीय—सहसंबंध गुणांक का वितरण—आंशिक और बहुल सहसंबंध—अन्तर्गामी सहसंबंध—सहसंबंध अनुपात—

मानक त्रुटिया और बृहत् प्रतिदर्श परीक्षण—प्रतिदर्श वितरण—(X, s, t, chi—वर्ग और F) —इन पर आधारित प्रमुखता परीक्षण—पैरामितीय परीक्षण—साइन, मोडियन, रन, विलकासन, मर्नविटनी वाल्ड क्रुस्कोविट्ज आदि—वरीयता त्रम सांख्यिकी—अल्पतम, अधिकतम, रेंज और मोडियन।

आंकड़ों का विश्लेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

लागरेंज न्यूनतम—ग्रेगरी, न्यूनतम (विभाजित अंतर), गैस और स्टर्लिंग पर प्रचलित अन्तर्वेशन सूत्र (शेष संभावना सहित)—यूलर मैकलारिन का संकलन सूत्र—क्लोम अन्तर्वेशन—आंकड़ों का समाकलन और अवकलन—प्रथम गुणांक का विशेष समीकरण—

सांख्यिकी—II

नोट : केवल वस्तुपूर्वक (बहुविकल्पक) प्रश्न पूछे जाएंगे।

एकघातीय प्रतिमान (25 प्रतिशत प्रधानता)

एक घातीय आकलन का सिद्धांत—गैस मार्की प्रतिष्ठापन—कनिष्ठ वर्ग आकलन—जी—क्लोम का प्रयोग—एक तरफा और दो तरफा बर्गीत तथ्य का विश्लेषण—निश्चित, मिश्रित और यादृच्छिक प्रभाव वाले प्रतिमान—समाश्रयण गुणकों के लिए परीक्षण—

आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता)

अच्छे आकलन के लक्षण—अत्यधिक संभावना, कनिष्ठ सी० वर्ग, आधुनिक और कनिष्ठ वर्गों की आकलन पद्धतियां—अत्यधिक संभावना आकलन-केसर राव असमानता—भट्टाचार्य परिसीमाएं—पर्यन्त आकलन—गुणन खंडन प्रमेय—सम्पूर्ण आंकड़े—राव—डॉकवेल प्रमेय—विश्राम अंतराल आकलन—इष्टतम विश्राम परिसीमाएं :

परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

मूल और जटिल परिकल्पना—दो प्रकार की त्रुटियां—आंशिक क्षेत्र—विभिन्न प्रकार के आंशिक क्षेत्र और सरूप क्षेत्र—घातु फलन—अव्यय

प्रभावशाली और समान रूप से अप्रत्यक्ष प्रभावशाली परीक्षण—नेमन, पियर्सन आधारभूत सेमा—अनभिन्न परीक्षण—स्थानीयता परीक्षण—संभावना अनुपात परीक्षण—वाल्ड का SPRT—OC और ASN फलन—निर्णय के प्राथमिक तथ्य और खेल सिद्धांत—

बहुवर्णन विश्लेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

बहुवर्णन सामान्य विवरण—साध्य प्रसारक का आकलन और सहचारिता बृहद्-होटलिंग का T² रैखिक—महलनाविम D² स्पैरिक—बहुवर्णन सामान्य जनसंख्या के प्रतिदर्श में प्राणिक और बहुल सहसंबंध गुणांक—

विशाल का वितरण, उसका प्रतिरूपणात्मक और अन्य स्वभाव—विशाल का निष्कर्ष—विचलनात्मक फलन—प्रमुख घटक—नियमानुकूल विवरण और सहसंबंध

सांख्यिकी—III

नोट—केवल निबंध शैली के प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें सुदीर्घ और जटिल निरूपण आवश्यक न हों।

भाग 'क' (सब के लिए अनिवार्य)

प्रतिदर्श प्रविधियां (35 प्रतिशत प्रधानता)

जनगणना बनाम प्रतिदर्श सर्वेक्षण—प्रारंभिक और विस्तृत प्रतिदर्श सर्वेक्षण—प्रतिस्थापन के साथ या उसके बिना सरल यादृच्छिक प्रतिययन और प्रतिदर्श आबंटन—लागत और विवरण फलन—आकलन की आनुपातिक और समाश्रयी पद्धतियां—आकार के समानुपात में प्राथिकता सहित प्रतिचयन—संकुल, दुहरा, बहुकपी, बहुस्तरीय और व्यवस्थित प्रतिचयन-अतः प्रवेशी उप-प्रतिचयन-प्रतिचयनेतर त्रुटियां।

अर्थ सांख्यिकी (25 प्रतिशत प्रधानता)

समय श्रेणी के घटक—उनके निर्धारण की विधियां—विवरण विसेद पद्धति—मूल, स्वस्की, प्रभाव—सहसंबंध चित्र—प्रथम और द्वितीय क्रम के स्वयंसमाश्रययी प्रतिदर्श—

समाधि चित्र का विश्लेषण—मूल्यों और परिमाणों के सूचकांक और उनके सापेक्ष गुण—थोक और खुदरा मूल्यों के सूचकांक की रचना—आय वितरण—पैरिटी और इंगेन वक्र—एकग्रना वक्र—राष्ट्रीय आय का आकलन करने की पद्धतियां—खंडान्तर प्रवाह—अन्तरीक्षीय तालिका।

भाग (ख)

(उम्मीदवार निर्मांकित विषयों में से किसी भी विषय पर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं)।

(i) सांख्यिकीय गुण नियंत्रण और परिचालन अनुसंधान (40 प्रतिशत प्रधानता)

विवरण और गुणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रक चित्र-गुणों के द्वारा स्वीकृत प्रतिचयन—एकल, द्वंद्व, बहुल और शृंखलामूलक प्रतिचयन योजनाएं—OC और ASN फलन—AOQL और ATI का धारणा-विवरण के द्वारा स्वीकृत प्रतिचयन—डाइज रोमिक और अन्य तालिकाओं का प्रयोग।

परिचालन अनुसंधान का अभिगम—रेखागत कार्यायन के प्राथमिक तत्त्व—सिप्लेक्स प्रक्रिया—परिवहन और नियोजन समस्याएं—द्वंद्वतात्मकता का नियम—एकल और बहुल आवधिक सूची नियंत्रण के नमूने—ABC विश्लेषण—प्रतीक्षा रेखा प्रतिदर्श के लक्षण—M/M/1, M/M/C नमूने—आम नकली की समस्याएं—तट्ट या क्षीण होने वाले तत्त्वों के प्रतिस्थापन के नमूने।

(ii) जनशक्ति और जनन-मरण आंकड़े (40 प्रतिशत प्रधानता)

जीवन-तालिका, उसका निर्माण और लक्षण—मेकहम और गामपट्टसं वक्र—राष्ट्रीय जीवन तालिकाएं—राष्ट्र संघ की जीवन तालिकाओं के नमूने—संक्षिप्त जीवन तालिकाएं—स्थिर और स्थायी जनसंख्या—विभिन्न जन्म गतियां—कुल प्रजनन गतियां—कुल और निवल उत्पादन गतियां—विभिन्न मरण गतियां—मानकीकृत मरण गति—आंतरिक और अंतर राष्ट्रीय प्रजनन—निवल प्रजनन—अंतर राष्ट्रीय और जनगणनोत्तर आकलन—वृद्धिशील वक्र समंजन सहित प्रक्षेपण विधियां—भारत में दशम्वीय जनगणना।

(iii) प्रयोग रूप कल्पना और विश्लेषण (40 प्रतिशत प्रधानता)

प्रयोग रूप कल्पना के नियम—पूर्ण रूप से यादृच्छिक बनाए गए, यादृच्छिक खंड और रैंडम चौक अभिकल्पों का विन्यास और विश्लेषण—क्रमगुणित प्रयोग और 2" और 3 प्रयोगों में संघन—खंड और उपखंड अभिकल्प—संतुलित और अर्द्ध संतुलित असंपूर्ण वर्ग अभिकल्पों की रचना और विश्लेषण—सहचारिता का विश्लेषण—लांबिकेतर तथ्यों का विश्लेषण—लुप्त और मिश्रित समूहों का विश्लेषण—

(iv) अर्थमिति : (40 प्रतिशत प्रधानता)

उपभोक्ता मांग का सिद्धांत और विश्लेषण—मांग फलन का विशिष्टीकरण और आकलन—मांग की लोच—संरचना और नमूना—एकल समीकरण शैली में प्राचलों की आकलन—परंपरागत अल्पतम वर्ग, साधारणीकृत अल्पतम वर्ग—विप्रवेयता, क्रमागत सहसंबंध—बहुल समरेखीयता—विचर प्रतिदण में त्रुटियां—समकालिक समीकरण प्रतिवर्ष—तथात्मता, वरीयता क्रम और क्रमण परिस्थितियां—परोक्ष अल्पतम वर्ग और दो स्तरीय अल्पतम वर्ग—अल्पकालिक आर्थिक भविष्य कथन।

भाग 'ख'

मौखिक परीक्षा

उम्मीदवारों का साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके नामने उम्मीदवार का सर्वांगीण जीवनवृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिए व्यक्तिगत की दृष्टि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूक्ष्म-बुद्धि के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधाराओं और उन नई खोजों में रुचि लें, जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं है अपितु स्वाभाविक निवेशन और प्रयोजनयुक्त बातलाप की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, संतुलित निर्णय और भावसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, न्यायिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

परिशिष्ट II

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त व्यौरा:—

1. जो उम्मीदवार दोनों में से किसी भी सेवा के लिए सफल होंगे, उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड IV में परीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी, और इस अवधि को घटाया भी जा सकता है। मकल उम्मीदवारों की परीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2—501GI/7S

2. यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

3. परीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तियां उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जाएगा।

5. भारतीय अर्थ सेवा और भारतीय सांख्यिकी सेवा के निर्धारित वेतनमान निम्नलिखित हैं:—

चयन ग्रेड २० 2000-125/2-2250

(नान-फंक्शनल)

ग्रेड-I निदेशक २० 1800-100-2000

ग्रेड-II संयुक्त निदेशक २० 1500-60-1800

ग्रेड-III उप निदेशक २० 1100-50-1600

ग्रेड-IV सहायक निदेशक २० 700-40-900-२० २०-40-1100-
[50-1300]

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड में पदोन्नति समय-समय पर यथा-संशोधित भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा नियमों के उपबन्धों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा इनको किसी राज्य सरकार या गैर-सरकारी संगठन में निश्चित अवधि के लिए प्रति-नियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों की सेवा की शर्तें तथा छुट्टी तथा पेंशन इत्यादि अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं ग्रुप 'क' के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगी।

8. भविष्य निधि की शर्तें वही हैं जो सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधनों की शर्तों के साथ जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

परिशिष्ट-III

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

य विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं।

2. भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वास्थ्य ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद वक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु कद और छाती के घेर के परस्पर संबंध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में

भार्यदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो आंख के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वरथ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा:—वह अपने जूते उतार देगा और उस माप वण्ड (स्टेण्डर्ड) से इस प्रकार मटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एडियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़ें सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियां, पिंडलियां, नितम्ब और कंधे माप-वण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी भीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ दी हेड लेवल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है:—उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका उपरी किनारा असकलक (शेल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इन्फ्रीरियर-एंगल्स) से लगा रहे और फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93 आदि। नाप को रिकार्ड करने समय आधे सेंटीमीटर से कम के भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए। नोट:—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किलोग्राम से कम के फ्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की तजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक आंख का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चश्मे के बिना तजर (नेकेड आई विजन) को कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और तजदीक की तजर का मानक निम्नलिखित होगा।

दूर की तजर		तजदीक की तजर	
अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख	अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख
6/9	6/9		
या			
6/9	6/12	जे० I	जे० II

दृष्टि संबंधी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो।

(घ) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए, और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो जो कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ज) दृष्टि क्षेत्र: सभी सेवाओं के लिए, सम्मुखन विधि (कन्फ्रन्टेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को पैरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतौंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस): साधारणतया रतौंधी दो प्रकार की होती है, (1) विटामिन 'ए' की कमी होने के कारण और (2) रेटिना के शारीरिक रोग के कारण जिसका आम बजह रेटिनोइटिस पिंग्मेंटोसा होती है। उपयुक्त (1) में फंडस की स्थिति प्रसामान्य होती है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाती है। अगर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी प्रौढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अन्धेरा अनुकूलन परीक्षण से स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए, विशेषतया जब फंडस न हो तो हलैक्टो-रेटीनो ग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है। इन दोनों जांचों (अन्धेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है। और इसलिये साधारण चिकित्सक आंख से इसका पता लगाना संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रतौंधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं क्या हैं और उनकी ज्युटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडीशन)।

(i) आंख की उस बीमारी को या बड़प्पी हुई अपवर्तन क्षुटि (प्रोसेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) का, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्य का कारण समझा जाना चाहिए।

(ii) भेंगापन (स्किवट) तकनीकी सेवाओं में, जहां ड्रिनेत्री (बाइना-कुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भेंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भेंगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(iii) एक आंख:—यदि किसी व्यक्ति की एक ही आंख हो अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि ही सामान्य हो और दूसरी आंख की मन्द दृष्टि हो अथवा अप सामान्य दृष्टि हो, तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहराई बोध हेतु त्रिविम दृष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई त्रिविम पक्षों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुमति कर सकता है। बशर्ते कि सामान्य आंख:—

(i) की दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जे० I चपमा लगाकर अथवा उसके बिना हो बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेरिट्रियन में क्षुटि 4 डायोप्टेरिज से अधिक न हो,

(ii) की दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो,

(iii) की सामान्य रंग दृष्टि, जहां अपेक्षित हो।

बशर्ते कि बोर्ड का यह समाधान हो जाए कि उम्मीदवार प्रस्तावीत कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यावलीयों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टेक्ट लेंस—उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कान्टेक्ट लेंस के प्रयोग की आशा नहीं होगी : यह आवश्यक है कि आंख की जांच करते समय दूर की नजर के लिए टाइप किए हुए अक्षरों का उद्भासन 15 फुट की ऊंचाई के प्रकाश से हो।

7. ब्लड प्रेशर :

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है :—

- (i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 आयु होता है।
- (ii) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन करने में 110 में आधी आयु जोड़ देने का तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :— सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर को और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल की रिपोर्ट में यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर में वृद्धि थोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कायिक (आर्गनिक) बीमारी है। ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्सरे और वियस हृदयलेखी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारेवाले दाबांतरमापी (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का उपकरण (इस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दान नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बगलें कि वह और विशेषकर उसकी भुजा स्थिर और आराम से हो। कुछ हारिजेंटल स्थिति में रोगी के पाश्र्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की खड़ को भुजा के अन्तर की ओर रख कर और इसके नीचे किराने को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैला कर समान रूप से सपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगड़ धमनी (ब्रैकिअल आर्टरी) को दबा दबा कर बूझा जाता है और तब इसके ऊपर बाईं बाईं स्टेटोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कप के साथ न लगे। कप में लगभग 200 एम० एम० एम० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कासम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की बबी हुई सी सुप्त प्रायः हो जायें, वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिये क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये क्षोभकर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर

कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाये। (कभी कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्नस्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं)। इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किये गये मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिये और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिये। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिंधाव, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाये तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधु मेही (नान डायबटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसिन के किसी ऐसे निविष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों, मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिक या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव का समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख रेख में रखा जाय।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिये जब तक कि उसका प्रसव न हो जाये। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर से आरोग्यता का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाणपत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेषण करना चाहिये।

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई बिन्दु है या नहीं।

यदि कान की कोई खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिये। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बल्कि कि कान की बीमारी बने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन ने लिये इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जाती है :—

1. एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन, दूसरा कान सामान्य होगा। यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसीबेल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिये योग्य।
2. दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसीबेल तक हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिये योग्य।
3. सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र। (i) एक कान सामान्य हो दूसरा कान में टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य-चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी

- रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गये नियम 4(ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।
- (ii) दोनों कानों में माजिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।
- (iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।
4. कान के एक ओर से/दोनों ओर (i) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केबिटी से सुसार्ई देता हो, दूसरे कान में सब-नार्सल श्रवण वाले कान/मस्टायड केबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये योग्य।
- (ii) दोनों ओर से मस्टायड केबिटी तकनीकी काम के लिये अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाये सुधर कर 30 डेसीबेल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिये योग्य।
5. बहने रहने वाला कान आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये अस्थायी रूप में अयोग्य।
6. नासापट की हड्डी सम्बन्धी/त्रिम्पि- (i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों ताओं (ओनोडिकामिटी) सहित के अनुसार निर्णय लिया जाएगा अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक/एलजिक वशा। (ii) यदि लक्षणों सहित नासापट अफसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप में अयोग्य।
7. टांगिल और/या स्वर यंत्र (लैरि- (i) टॉसिल और/या स्वर यंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशा योग्य। (ii) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
8. कान, नाक, गले (ई०एन०टी०) (i) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप से अयोग्य। (ii) दुर्बल ट्यूमर अयोग्य।
9. आस्टोक्लिरोमिस श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबेल के अन्दर होने पर योग्य।
10. कान, नाक, अथवा गले के जन्म (i) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य। (ii) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।
11. नेजल पोली अस्थायी रूप में अयोग्य।
- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
- (ग) उसकी दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जायेगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक है या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे रूबर है या नहीं।
- (छ) उसे हार्डिसेल, बड़ी हुई बैरिफोसिल, बैरिकाजिनरा (बेन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसे अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं, और उसकी ग्रंथियां भली भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती है या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उम्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई संवारी (कम्प्युनिकेबल) रोग है या नहीं।
11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी क्लिन्नता का पता लगाने के लिये जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञान न हो, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की दूसरे परीक्षा की जानी चाहिये।
- सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जहाँ कहीं सन्वेह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किये जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, जैसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक क्लृप्ति अथवा विषयन (एक्वेशन) से पीड़ित होने का सन्वेह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल से किसी मनोविकार विज्ञानी मनो-विज्ञानी से परामर्श कर सकता है।
- जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण पत्र में अवश्य ही नोट किया जाये। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिये कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।
12. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार २०/50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किये जायेंगे। शेष दूसरों के मामलों में यह जम्मा कर लिया जायेगा। यदि उम्मीदवार चाहें तो अपनी आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गये निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिये अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिये अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और इसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के सम्बन्ध में की जाने वाली यात्राओं के लिये कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जायेगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रश्न के लिये मंत्रिमण्डल (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है:—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाये जाने वाले स्टैंडर्ड में सम्बन्धित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिये उचित गुंजाइश रखनी चाहिये।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जायेगा जिसके बारे में यथार्थता सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इम-फर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिये कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बन्ध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगीयों की रोकना है। साथ यह भी नोट कर लिया जाये कि जहाँ प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिये जब कि उसमें कोई दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतया तीन सदस्य होंगे (i) एक कार्य चिकित्सक (ii) एक शल्य चिकित्सक और (iii) एक नेत्र चिकित्सक। ये सभी यथा संभव साथ समान स्तर के होने चाहिये। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जायेगा।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा के उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिये कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं।

डाक्टरों को रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिये।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार उम्मीदवार को बताया जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरों को बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरों का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ डाक्टरों को बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिये। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाये तो दूसरे डाक्टरों को बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिये कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम महीने से कम नहीं होनी चाहिये। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिये अस्थाई तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये उनकी योग्यता के सम्बन्ध में शक या वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिये।

उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अवैधित स्टेटमेंट देना चाहिये और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिये। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित बातों की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिये।

1. अपना पूरा नाम लिखें—

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें—

2. (क) क्या आप अनुसूचित जाति या गोरखा, गढ़वासी, असमिया नागालैंड जन जाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिसका ओसत कद दूसरों से कम होता है 'हां' या 'नहीं' में उत्तर दीजिये। उत्तर 'हां' में हों तो उस जाति का नाम बताइये।

3. (ख) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, शूल में खून आना, घमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, भूँटा के दोरे, रमेडिजम, एर्नेस्टाइटिस हुआ है?

अथवा

(ख) दूसरी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण रीढ़ या लेटे रहता पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. आपको चेचक का टीका आखिरी बार कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या दूसरे किसी कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई?

6. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित ब्यौरे दें:—

यदि पिता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और स्वास्थ्य का कारण	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और स्वास्थ्य का कारण	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और स्वास्थ्य का कारण
--	--	---	---

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और स्वास्थ्य का कारण	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और स्वास्थ्य का कारण	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और स्वास्थ्य का कारण
--	--	--	--

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' में हो तो बताइये किस सेवा/सेवाओं के लिये आपकी परीक्षा की गई थी

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?

10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो—

मैं घोषित करना हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर दिये गये सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किये—

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर—

नोट:—उपरोक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाये तो दायित्व निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउंस) या उपदान (प्रेम्युटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास—अच्छा—धीरे का
कम—कम पोषण पतला—
औसत—मोटा—
कद जूते उतारकर—वजन—
अत्युच्च वजन—कब था?—वजन में
कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन—
सापमान—
छाती की धेर—

(1) पूरा सांस खींचने पर—

(2) पूरा सांस निकालने पर—

(3)

2. रश्चा—कोई जाहिरा बीमारी

3. नेत्र—

(1) कोई बीमारी—

(2) रतीछी—

(3) कलर विजन का दोष—

(4) दृष्टि नेत्र (फील्ड आफ विजन)—

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी)—

(6) फंडस की जांच—

दृष्टि की तीक्ष्णता चश्मे के बिना चश्मे से चश्मे की पावर गोल
सिलि एक्सिस

दूर की मजर वा० ने०

वा० ने०

पास की मजर वा० ने०

वा० ने०

हाइपरमेट्रोपिया वा० ने०

(व्यक्त) वा० ने०

4. कान निरीक्षण—सुनना—

—बायाँ कान—बायाँ—

कान—

5. प्रथियां—थाइराइड—

6. दांतों की हालत—

7. श्वसन तन्त्र (रेगपरेटरी सिस्टम) :—क्या शारीरिक परीक्षा करने पर
सांस के अंगों में से किसी असमानता का पता लगा है? यदि पता लगा
है तो असमानता का पूरा ब्यौरा दें।

8. परिसंचरण तन्त्र (सर्कुलटरी सिस्टम)

(क) हृदय: कोई आंगिक गति (आर्गेनिक लीजन)—

गति (रेट) :—

(खड़े होने पर)

25 बार कुदाये जाने पर के बाद—

कुदाये जाने के 2 मिनट बाद—

(ख) ब्लड प्रेशर—सिस्टोलिक—

—डायस्टोलिक।

9. उवर (पेट) धेर—स्पर्श

भहायता हार्निया—

(क) दबाकर मालूम पड़ना/जिगर—

तिल्ली—गुर्दे—

दुमर—

(ख) रक्तार्म

भगंबर

10. तांत्रिक तन्त्र (नर्वे सिस्टम) तांत्रिक या भानसिक अशक्तता का
संकेत—

11. चाल तन्त्र (लोकोमोटर सिस्टम)

की असमानता—

12. जनन मूल तन्त्र (जेनिटी यूरिनरी सिस्टम) —

हाइड्रोसील, वैरिकोसिल आदि का कोई संकेत।

मूल परीक्षा:—

(क) कैसा दिखाई पड़ता है?

(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेमिफिक ग्रेविटी)

(ग) एलबुमैन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) कोणिकायें (सेल्स)

13. छाती की एकसरे परीक्षा की रिपोर्ट।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह
इस सेवा की ड्यूटी को दक्षता पूर्वक निभाने के लिये अयोग्य
हो सकता है।

नोट—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12
सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है
तो उसे अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिये,
वेबें विनियम 9।

15. (i) क्या वह भारतीय अथवा भारतीय साक्षिकी सेवा में
दक्षतापूर्वक और निरन्तर कार्य करने के लिये सब तरह से
योग्य पाया गया है।

(ii) क्या उम्मीदवार श्रेष्ठ सेवा (फील्ड सर्विस) के लिये योग्य
है?

नोट:—बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी
एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिये।

(i) योग्य (फिट)

(ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण—

(iii) अस्थाई रूप से अयोग्य, जिसका कारण—

स्थान—अध्यक्ष—

तारीख—सदस्य—

सदस्य—

परिशिष्ट-IV

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

क—वस्तुपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको 'वस्तुपरक परीक्षण' कहा
जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फेनाकर लिखने नहीं
होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जायेगा) के लिये कई संभाव्य
उत्तर दिये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिये एक उत्तर (जिसको आगे
प्रत्युत्तर कहा जायेगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इन परीक्षा के बारे में कुछ जान-
कारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण
आपको कोई हानि न हो।

ख—परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र 'परीक्षण पुस्तिका' के रूप में होंगे। इन पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3—के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे ए, बी सी—के क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिये एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही है तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अन्न में दिये गये नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिये आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जायेगा।

ग—उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिये आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जायेगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर जांचे नहीं जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांश की संख्याएं से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांक के सामने ए, बी सी, डी, ई—के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिये स्वाही का प्रयोग नहीं करना चाहिये।

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

आपके उत्तर पत्रक में दिये गये उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन से किया जायेगा। जो गलत उत्तर, एच० बी० पेंसिल के अनिश्चित दूसरी पेंसिल के प्रयोग और विक्रेता उत्तर पत्रक को पहचानने में बड़ी सुग्राही है। इस लिये यह जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिये केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलों) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें। दूसरी पेंसिलों या पेन के द्वारा बनाये गये निशान, संभव है, मशीन से ठीक ठीक न पढ़े जायें।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिये आप अपने साथ एक रबर भी लायें।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय को ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाये या उसमें मोड़ व मलबट आदि पड़ जाये और वह टेढ़ा हो जाये।

घ—कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पचहूने ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें, आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जायेगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियम स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्वाही से साफ साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिये गये सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है, इसलिये संभव है कि इन अनदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जाये। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिये गये अनदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लायें। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबर, एक पेंसिल शार्पेनर और नीली या काली स्वाही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं, क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया जायेगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपने रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

ङ—विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको निरीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हाथियों में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाये। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाये, तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है, और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाये तब आपको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध खाने में अपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

च—कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, वक्षता से उपयोग करें। सन्तुलन के साथ आप जितनी जल्दी भागे बड़ सकते हैं, रबर, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दें पाते हों तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जायेंगे।

गलत उत्तरों के लिये अंक नहीं काटे जायेंगे।

प्रश्न इस तरह बनाये जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी, सूझ सूझ और विश्लेषण-क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिये यह सावधान्यक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बात से आश्चर्य न हो जायें कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

छ—परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने का कहें, आप लिखना बन्द कर दें।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाये तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक म ले जायें और आपको 'हाल' छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिये निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरवाची नहीं है?

- (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- (b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

उत्तर (d)

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्याय पालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (c)

3. पाठशाला के छात्र के लिये पाठ्येतर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन

- (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

उत्तर (a)

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है;

- (a) शुक्र।
- (b) मंगल
- (c) बृहस्पति
- (d) बुध

उत्तर (d)

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है?

- (a) पेड़ पीछे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेड़ पीछे जितने कम होते हैं, नदियाँ उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़ पीछे जितने अधिक होते हैं, नदियाँ उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़ पीछे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (c)

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मन्त्रालय

(रसायन और उर्वरक विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं० 151(6)/79-उर्वरक समन्वय—पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मन्त्रालय, रसायन और उर्वरक विभाग के 10 अप्रैल 1978 के संकल्प संख्या

एल 16013(4)/78-रसायन-11/डिस्क के अनुसरण में, जिसके अनुरूप रसायनों और उर्वरकों पर एक मनाहूकार समिति का गठन किया गया है, निम्नलिखित गैर-सरकारी व्यक्तियों को उक्त समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है :—

(1) संसद सदस्य

- (1) श्री एम० आर० कुडणा
संसद सदस्य (राज्य सभा)
4 कुशाक रोड, नई दिल्ली।
- (2) श्रीमती अजीजा इमाम
संसद सदस्य (राज्य सभा)
39 साउथ ऐवेन्यू, नई दिल्ली।
- (3) श्री बलवन्त सिंह रामबालिया
संसद सदस्य (लोक सभा)
10 मोना बाग, नई दिल्ली।
- (4) श्री ए० बाला पजानीर,
संसद सदस्य (लोक सभा)
42 केनिंग लेन, नई दिल्ली।
- (5) श्री बालक राम,
संसद सदस्य (लोक सभा)
89 साउथ ऐवेन्यू, नई दिल्ली।

(2) उद्योग के प्रतिनिधि

- (1) श्री एम० ए० चिदम्बरम
अध्यक्ष
सर्वन पैट्रो कैमिकल्स इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन लि०,
भद्रास।
- (2) श्री एस० के० अग्रवाल
प्रबन्ध निदेशक
कुमार क्रॉन्ज पावडर लि०,
ताड़ीखेत
- (3) मेजर कपिल मोहन
अध्यक्ष
मोहन मीकिन ब्रेवरीज लि०
46 पूसा रोड,
नई दिल्ली।

(3) शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधि

- (1) प्रोफेसर एम० एम० शर्मा
रसायन इन्जीनियरिंग के प्रोफेसर
रसायन प्रौद्योगिकी विभाग
बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई।
- (2) डा० ए० एस० बीमा
कुलपति
पंजाब कृषि विश्वविद्यालय
लुधियाना।

(4) गैर-सरकारी व्यक्ति

- (1) श्री रोबिन मित्रा
हैबट रोड, लखनऊ।
- (2) श्री सुवर्णन नायर
महा सचिव
ट्रिवेन्ड्रम, केरल।
- (3) श्री जी० एम० निहालसिंहवाला
भूतपूर्व संसदीय सचिव, पंजाब,
सेक्टर 11-बी, मकान नं० 708
बण्डीगढ़।

के० पी० श्रीवास्तव, उप-सचिव

कृषि और सिंचाई मन्त्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1979

संकल्प

सं० 19-80/77 एफ आर० आई (एफ० डी०)—भारत सरकार ने अपने संकल्प संख्या 45-1/73 सी० ए० 1, दिनांक 6 नवम्बर, 1973 द्वारा गठित भारतीय लाख विकास परिषद को तत्काल से पुनर्गठित करने का निर्णय किया है। पुनर्गठित परिषद निम्न प्रकार होगी :—

1. अध्यक्ष—एक गैर सरकारी व्यक्ति जिसे भारत सरकार नामजद करेगी।
2. उपाध्यक्ष—वन महानिरीक्षक भारत सरकार, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय (कृषि विभाग)

3. सदस्य

(क) राज्य निम्नलिखित राज्य सरकारों का एक एक प्रतिनिधि, (सरकारों) के प्रतिनिधि जिसे सम्बन्धित राज्य सरकारें नामजद करेंगी :—

- (1) बिहार
- (2) मध्य प्रदेश
- (3) महाराष्ट्र
- (4) उड़ीसा
- (5) पश्चिम बंगाल

(ख) केन्द्रीय सरकार के प्रतिनिधि

- (1) योजना आयोग का एक प्रतिनिधि
- (2) वाणिज्य मन्त्रालय का एक प्रतिनिधि
- (3) भारत सरकार के कृषि आयुक्त अथवा उनका नामित व्यक्ति
- (4) महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद अथवा उनका नामित व्यक्ति
- (5) वन प्रभाग में लाख से सम्बन्धित वन उपमहानिरीक्षक
- (6) निदेशक, भारतीय लाख अनुसन्धान संस्थान, रांची।

(ग) उत्पादकों के प्रतिनिधि लाख पैदा करने वाले निम्नलिखित राज्यों से, सम्बन्धित राज्य सरकारों द्वारा नामजद किए जाने वाले उत्पादकों के एक एक प्रतिनिधि :—

- (1) बिहार
- (2) मध्य प्रदेश
- (3) उड़ीसा
- (4) उत्तर प्रदेश
- (5) पश्चिम बंगाल

(घ) व्यापारियों के प्रतिनिधि

- (1) विभिन्न मान्यताप्राप्त वाणिज्य मण्डलों तथा अन्य व्यापार निकायों द्वारा भिफारिश किए गए उम्मीदवारों में से वाणिज्य मन्त्रालय द्वारा परिषद में नामजद किए जाने वाले व्यापारियों के तीन प्रतिनिधि।
- (2) अध्यक्ष, चमड़ा निर्यात सम्बन्धित परिषद।

(ङ) उद्योग के लाख परिसंस्करण उद्योग के तीन प्रतिनिधि।

- (च) अन्य :—
- (1) तीन संसद सदस्य जो संसदीय कार्य विभाग द्वारा नामजद किए जायेंगे।
 - (2) निम्नलिखित क्षेत्र में काम करने वाले मशहूरों के एक एक प्रतिनिधि :—
- (क) कामों में काम करने वाले
 - (ख) कारखानों में काम करने वाले

(छ) ! भारत सरकार द्वारा ऐसे अतिरिक्त व्यक्तियों को जिनके हितों को प्रतिनिधित्व देने के लिए समय समय पर नामजद किया जाएगा जिन्हें पहले परिषद में प्रतिनिधित्व न मिला हो।

4. सदस्य सचिव: निदेशक, लाख विकास निदेशालय, रांची।

5. प्रेक्षक (जो परिषद के सदस्य नहीं होंगे, किन्तु जिन्हें परिषद के विचार विमर्श में सहायता के लिए निरन्तर रूप में आमन्त्रित किया जाएगा।

1. अध्यक्ष, राज्य व्यापार निगम अथवा उनका प्रतिनिधि।
2. कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय अथवा उनका प्रतिनिधि
3. वित्तीय सलाहकार, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय।
4. ग्रहण तथा सांख्यिकी सलाहकार, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय (कृषि विभाग) अथवा उनका प्रतिनिधि।
5. राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, नई दिल्ली।
6. संयुक्त आयुक्त (सी० सी०), कृषि और सिंचाई मन्त्रालय, कृषि विभाग, नई दिल्ली।
7. बिहार राज्य लाख सहकारी विपणन संघ लि०, रांची।

कार्य

2. परिषद एक सलाहकार निकाय होगी और उसके निम्नलिखित कार्य होंगे :—

- (1) केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों द्वारा लाख के सम्बन्ध में बनाए गए विकास कार्यक्रमों पर विचार करना, समय समय पर उनकी प्रगति की समीक्षा करना और प्रगति को तेज करने के उपायों की सिफारिश करना :
- (2) लाख विपणन, परिसंस्करण, भण्डारण, परिवहन तथा इसके व्यापार और मूल्य से सम्बन्धित समस्याओं की जांच-पड़ताल करना और इस सम्बन्ध में सरकार को परामर्श देना :
- (3) कार्यक्रम तैयार करने तथा मण्डों में बढ़िया क्रिम की जिनस की आवश्यकता के बारे में अनुसन्धान एजेंसियों को सलाह देकर लाख के सम्बन्ध में अनुसन्धान तथा विकास कार्यक्रमों के बीच उपयुक्त समन्वय स्थापित करना :
- (4) लाख के लिए निर्यात मण्डों की आवश्यकताओं पर विचार करना और उसके अनुसार विकास कार्यक्रमों को उपयुक्त ढंग से सम-योजित करना तथा
- (5) लाख विकास के सम्बन्ध में गहायता करने के लिए ऐसे अन्य कार्य-करना जो इसे समय समय पर सौंपे जायें।

3. भारतीय लाख विकास परिषद को विशिष्ट मुद्दों पर विचार करने के लिए स्थायी समिति, तकनीकी समिति तथा तदर्थ समिति गठित करने और विशेष प्रयोजन के लिए आवश्यकतानुसार कृषि विश्वविद्यालयों तथा अन्य विशेष हितों के प्रतिनिधियों को सदस्य सहयोजित करने का अधिकार होगा।

4. लाख उगाने वाले क्षेत्रों में व्यापार तथा उद्योग के महत्वपूर्ण केन्द्रों में परिषद की समय समय पर बैठकें होंगी और वह भारत सरकार को अपनी सिफारिशें पेश करेंगी।

5. परिषद तब तक कार्य करती रहेगी जब तक वह सरकार के एक संकल्प द्वारा भंग न कर दी जाए। अध्यक्ष तथा परिषद के अन्य गैर सरकारी सदस्यों का कार्यकाल, परिषद में उनके नामजद किए जाने की तारीख से तीन वर्ष के लिए होगा, जब तक कि यह अधि भारत सरकार के एक विशेष आदेश द्वारा घटा या बढ़ा न की जाए। तथापि, किसी गैर सरकारी सदस्य की पुनः नियुक्ति के बारे में विचार किया जा सकता है।

6. परिषद में नामजद किए जाने वाले संसद सदस्यों की संसद सदस्यता समाप्त होते ही उनकी परिषद की भी सदस्यता समाप्त हो जाएगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों, भारत सरकार के मन्त्रालयों, योजना आयोग, मन्त्रिमण्डल सचिवालय, प्रधान मन्त्री के कार्यालय, लोक सभा सचिवालय तथा राज्य सभा सचिवालय को भेज दी जाए।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

दिनांक 7 फरवरी 1979

संकल्प

सं० 1-1/79-एफ० आर० आई० (एफ० डी०)---स्पेन में आयोजित योरोपीय कृषि महासंघ की तेईसवीं सामान्य बैठक में विश्व वानिकी दिवस की संस्थापना का अनुमोदन कर दिया गया था, जिसके लिये समस्त संबंधित अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों से सहयोग का अनुरोध किया गया था। इसका उद्देश्य समस्त विश्व में उस महत्वपूर्ण भूमिका का प्रचार करना था जो कि वन मानवता के लिए प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से भूमिका निभाते हैं। तदनुसार प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस मनाने की सिफारिश की गई थी और इस उद्देश्य के लिए वानिकी दिवस आयोग की स्थापना करने की भी सिफारिश की गई थी।

2. हम तथ्य को दृष्टि में रखते हुए कि इस ज्ञान का पर्याप्त अभाव है कि वन सभ्यता का मानव के लिए क्या महत्व है और यह मानते हुए कि वानिकी विषयक उपलब्ध जानकारी का प्रसार उपयोगी होगा और यह कि विभिन्न वानिकी समस्याओं के बारे में जनता का ध्यान आकर्षित करने से जन में वानिकी के प्रति प्रेरणा और रुचि उत्पन्न होगी। केन्द्रीय वानिकी बोर्ड की स्थायी समिति ने नवम्बर, 1973 में हुई अपनी बैठक में देश में एक उपयुक्त राष्ट्रीय वानिकी दिवस आयोग की स्थापना करने के प्रस्ताव को स्वीकार करने की सिफारिश की थी।

3. भारत सरकार ने सिफारिश को स्वीकार कर लिया है और राष्ट्रीय विश्व वानिकी दिवस समिति का गठन करने का निर्णय किया है। समिति की संरचना निम्न प्रकार से होगी :—

- | | |
|--|---------|
| 1. वन महानिरीक्षक | अध्यक्ष |
| 2. संयुक्त सचिव (एफ० एण्ड डब्ल्यू० एल०) | सदस्य |
| 3. अपर वन महानिरीक्षक | सदस्य |
| 4. अध्यक्ष, वन अनुसन्धान संस्थान तथा महाविद्यालय, देहरादून | सदस्य |
| 5. पर्यटन महानिदेशक | सदस्य |
| 6. महानिदेशक, आकाशवाणी, नई दिल्ली | सदस्य |

- | | |
|--|------------|
| 7. बम्बई प्राकृतिक हिस्ट्री सोसाइटी के प्रतिनिधि
हार्मबिल हाऊस, गार्हीद भगत सिंह रोड, बम्बई | सदस्य |
| 8. विलियम टीज क्लब के प्रतिनिधि बंगलौर | सदस्य |
| 9. भारतीय युथ होस्टल एसोसिएशन के प्रतिनिधि,
न्याय मार्ग, वाणक्यपुरी, नई दिल्ली | सदस्य |
| 10. फ्रेन्ड्स आफ ट्रीज के प्रतिनिधि, बम्बई | सदस्य |
| 11. सत्य के प्रतिनिधि
डी/1-151, सत्य मार्ग, वाणक्यपुरी, नई दिल्ली | सदस्य |
| 12. पर्यावरण योजना एवं समन्वय मन्त्रालय राष्ट्रीय
समिति के प्रतिनिधि, प्रोद्योगिकी भवन,
न्यू महारौली रोड, नई दिल्ली। | सदस्य |
| 13. शिक्षा और समाज कल्याण मन्त्रालय के प्रतिनिधि
शास्त्री भवन, नई दिल्ली | सदस्य |
| 14. निदेशक,
जन सम्पर्क, कृषि विभाग | सदस्य |
| 15. प्रतिनिधि, हिमालयन सेवा संघ | सदस्य |
| 16. प्रतिनिधि, "दूर दर्शन", नई दिल्ली | सदस्य |
| 17. विकास प्रायुक्त, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। | सदस्य |
| 18. सचिव, केन्द्रीय वानिकी आयोग | सदस्य सचिव |

4. समिति के निम्नलिखित कार्य होंगे :—

- (क) प्रतिवर्ष 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस मनाने के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों को अध्यापय सुझाना।
- (ख) बनों के लिए तथा उनकी सुरक्षा हेतु प्रकृति एवं मानवीय पर्यावरणों सहित सामंजस्य की आवश्यकता के लिए सार्वजनिक हित को बढ़ाना।
- (ग) प्रकृति संरक्षा सोसाइटियों के निर्माण में सहायता देना और उत्साहित करना तथा इस प्रकार के निकायों के केन्द्रीय समन्वय एजेंसी के रूप में कार्य करना।
- (घ) कुछ अन्य कार्यों को करना जो कि उन उद्देश्यों को काफी हद तक पूरा करते हैं जिनके लिए यह समिति बनाई गई है।

5. समिति का कार्यकाल 1 वर्ष होगा। समिति अपनी कार्य विधियों को स्वयं निर्धारित करेगी।

6. समय समय पर मंशोधित कार्यालय आपन सं० 6 (26) ई० 4/59 दिनांक 5 सितम्बर, 1960 में दिए गए वित्त मन्त्रालय के उद्देश्यों के अनुसार गैर सरकारी सदस्यों को सीटिंग में उपस्थित होने के लिए यात्रा भत्ता/महंगाई भत्ता दिया जाएगा जैसा कि भारत सरकार के ग्रेड 1 के अधिकारियों को दिया जाता है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक एक प्रति सभी को भेज दी जाए।

आदेश दिया जाता है कि सामान्य सूचना के लिए संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

ए० डी० स्याल, संयुक्त सचिव

समाज कल्याण विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 फरवरी 1979

संकल्प

सं० 1-32/77-सी० ए० डब्ल्यू० डी०—22 अप्रैल, 1978 के संकल्प संख्या एफ० 1-32/77-सी० ए० डब्ल्यू० डी० के क्रम में भारत सरकार,

राज्य के सामने बताए गए प्रतिनिधि के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के साधारण निकाय के लिए नामित करती है :—

राज्य/विभाग का नाम	प्रतिनिधि का नाम
(1) आंध्र प्रदेश	श्रीमती दुर्गा भक्तधत्तल
(2) त्रिपुरा	श्रीमती इला मट्टाचार्य

2. बोर्ड का कार्यकाल 30 सितम्बर, 1978 तक है।

3. सन्दर्भ अधीन संकल्प में उल्लिखित जम्मू और काश्मीर के प्रतिनिधि के रूप में बेगम शेख मुहम्मद अब्दुल्ला के नाम को अकबर जहाँ बेगम पढ़ा जाए।

4. 5 जुलाई, 1978 के संकल्प सं० 1-32/77-सी० एम० डबल्यू० बी० में उल्लिखित असम के प्रतिनिधि के रूप में श्रीमती सविता प्रधानी के नाम को श्रीमती सविता रानी प्रधानी पढ़ा जाए।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति निम्नलिखित को भेजी जाए :—

1. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सभी सदस्य।
2. समस्त राज्य सरकार/संघ शासित क्षेत्र प्रशासन
3. भारत सरकार के सभी मन्त्रालय/विभाग।
4. राष्ट्रपति सचिवालय।
5. प्रधानमन्त्री का कार्यालय।
6. योजना आयोग।
7. लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय।
8. मन्त्रीमण्डल सचिवालय।
9. प्रेस सूचना कार्यालय, नई दिल्ली।
10. महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली।
11. कम्पनी कार्य विभाग, नई दिल्ली।
12. क्षेत्रीय निदेशक, कम्पनी विधि बोर्ड, कानपुर।
13. कम्पनियों के रजिस्ट्रार, नई दिल्ली।
14. सचिव, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली।
15. सभी राज्य समाज कल्याण सलाहकार बोर्डों के अध्यक्ष।
16. सभी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के राज्यपालों/प्रशासकों के निजी सचिव।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित किया जाए।

ओ० पी० सिंह भाटिया,
उप-सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

New Delhi-I, the 23rd February 1979

ORDER

No. 27(26)79-CL.II.—In pursuance of clause (ii) of sub-section I of section 209A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby authorises the following officers of the Government of India, in the Department of Company Affairs, for the purposes of the said Section 209A :—

संस्कृति विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1979

संकल्प

सं० एफ० 1-6/78 सी० एच०-1—भारतीय ऐतिहासिक अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली के पुनर्गठन के सम्बन्ध में इस विभाग के संकल्प सं० एफ० 1-6/78-सी० एच०-1 (1) दिनांक 13 अक्टूबर, 1978 में आंशिक संशोधन में क्रम सं० 25 पर उल्लिखित “विन्तीय सलाहकार शिक्षा और समाज कल्याण मन्त्रालय के स्थान पर” “विन्तीय सलाहकार, शिक्षा और समाज कल्याण मन्त्रालय अथवा उसका प्रतिनिधि” पढ़ा जाए।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति निदेशक, भारतीय ऐतिहासिक—अनुसन्धान परिषद 35 फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली को भेजी जाए।

यह आदेश भी दिया जाता है कि इस संकल्प की सार्वजनिक सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

कपिला वास्वय, संयुक्त शिक्षा सलाहकार

निर्माण और आवास मन्त्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी 1979

सं० जे-13037/41/77-डी० बी० IIIए०—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957. (1957 को सं० 61) की धारा 23 की उपधारा (5) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार दिल्ली विकास प्राधिकरण को निम्नलिखित शर्तों पर जनवरी, 1979 में खुले बाजार में ऋण पत्रों को जारी करने की स्वीकृति देती है :—

राशि	9.25 करोड़ रुपये (राशि का 10 प्रतिशत तक अधिक अंशदान के रखने के अधिकार सहित)
निर्गम मूल्य	समान
मुद्रा	10 वर्ष
ब्याज की दर	6-1/4 प्रतिशत वार्षिक
हामीदारी कमीशन	प्रति 100 रुपये पर 38 पैसे से अधिक नहीं।

2. केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा जारी किए जाने वाले उक्त ऋण पत्रों के मूलघन तथा उन पर देय ब्याज के पुनःभुगतान की एतद्वारा गारंटी देती है।

एस० पी० बिस्वास, उप-सचिव

1. Shri Sooraj Kapoor, Joint Director, Inspection, Company Law Board, New Delhi.

2. Shri B. Bhavani Shankar, Joint Director, Accounts, Company Law Board, New Delhi.

3. Shri N. K. Goel, Joint Director, Inspection, Company Law Board, New Delhi.

2. The Central Government hereby revokes the authorisation issued in favour of Shri Sooraj Kapoor, Joint Director, (Accounts) and Shri B. Bhavani Shankar, Deputy Director, Inspection vide this Department's Order No. 27(8)77-CL.II. dated 6-2-78, 27(5)76-CL.II, dated 7th June 1976.

B. BALARAMAN, Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)
RULES

New Delhi, the 17th March 1979

No. 11013/1/79-IES.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1979 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

- (i) The Indian Economic Service, and
- (ii) The Indian Statistical Service.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; The Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968, and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes, Order, 1970. to these rules.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix 1 to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to Categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 28 years on 1st January, 1979 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1951 and not later than 1st January, 1958.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xiii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

(c) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit on the crucial date viz. 1st January, 1979 and who was detained under the Maintenance of Internal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the

period of Internal Emergency between 25-6-75 and 21-3-77 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limits prescribed for admission to this examination, will be eligible to appear at the examination subject to the condition that he should not have sat for i.e. (he should have foregone) the examination at least once during the period between June, 1975 and March, 1977 for which he was eligible in all respects.

NOTE.—Under this concession, which will not be admissible for admission to an examination held after 31-12-1979, not more than one chance will be allowed.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th October, 1979.

NOTE II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the for admission to any examination held after 31-12-1979, not he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission.

NOTE III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examinations at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, will be required to submit a 'No Objection Certificate' from the Head of their Office/Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure to the Commission's Notice.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or

- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit, or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for viva voce.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for viva voce by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for viva voce on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

16. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard

to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for viva voce by the Commission may be required to undergo physical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

18. No person :

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through examination are stated in Appendix II.

P. G. LELE, Dy. Secy.

APPENDIX I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—Viva Voce (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

S. No.	Subject	Maximum Marks	Time Allowed]
A. Indian Economic Service			
1.	General English . . .	150	3 Hrs.
2.	General Studies . . .	150	3 Hrs.
3.	General Economics I (Part I and II) . . .	200	Part I-1 Hr. } Part II-2 Hrs. } 3 Hrs.
4.	General Economics II (Parts I and II) . . .	200	
5.	Indian Economics . . . (Parts I & II)	200	Part I-1 Hr. } Part II-2 Hrs. } 3 Hrs.
B. Indian Statistical Service			
1.	General English . . .	150	3 Hrs.
2.	General Studies . . .	150	3 Hrs.
3.	Statistics I . . .	200	3 Hrs.
4.	Statistics II . . .	200	3 Hrs.
5.	Statistics III . . .	200	3 Hrs.

NOTE I.—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

NOTE II.—Part I of the paper on subject at S. Nos 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

NOTE III.—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type questions.

NOTE IV.—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see Candidates' Information Manual at Appendix IV.

NOTE V.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

4. Candidates must write the papers in their own hand, in no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

General English

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words.

General Studies

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of Indian and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

General Economics—I

Theory of consumer's demand : Indifference curve analysis. Revealed preference approach.

Theory of production : Factors of production, Production functions. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value : Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution : Pricing of factors of production. Theories of rent, wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare economics : Old and new welfare economics, The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment, output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment, Post-Keynesian developments.

General Economics—II

Concept of economic growth and its measurement. Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

Planning : Concept and methods. Planning under capitalist and socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics : Theories of international trade, gains from trade. Terms of trade. Trade policy. International trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments. Disequilibrium in balance of payments. Mechanism of adjustments. Foreign trade Multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and international Monetary reform. GATT; International aid for economic growth. I.B.R.D. and its affiliates.

Money : Its value and functions. Monetary policy, Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives : Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical averages and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

Indian Economics

Basic features of the Indian economy. Development strategy; Role of agriculture and industry; Role of foreign trade; Concept of balanced growth.

Planning : Objectives, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture : New agricultural strategy; land relations and land reforms; rural credit; role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary occupations and rural industries.

Cooperation : its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry : Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises : Organisation, management control and accountability, price policy.

Labour : Employment, unemployment and under-employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and incomes policy.

Foreign Trade : Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking : Organisation of the Indian money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve Bank of India. Monetary policy.

Public Finance : Fiscal policy; Growth of public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing Union-State financial relations.

Statistics—I

NOTE :—Only objective (Multiple Choice) questions will be set.

Probability (40 percent weight).

Elements of measure theory. Classical definitions and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of m events out of n . Conditional probability. Bayes' theorem. Random variables—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, Cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial, beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants. Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Tchebycheff's and Koimogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

Statistical methods (45 percent weight)

Collection, compilation and presentation of data. Charts diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location, dispersion and skewness. Bivariate and Multivariate data, Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate distributions. Bivariate normal distribution. Regression-linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of \bar{X} , S^2 , t chi-square and F ; tests of significance based on them.

Non-parametric tests—sign, median run, Vilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—Minimum, maximum, range and median.

Numerical Analysis (15 percent weight)

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange. Newton-Gregory, Newton (Divided difference), Gauss and Stirling. Euler-Maclaurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant co-efficients.

Statistics—II

NOTE :—Only objective (Multiple Choice) questions will be set.

Linear Models (25 percent weight)

Theory of linear estimation. Gause-Markoff set up. Least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimation and two-way classified data—fixed and random effect models. Tests for regression co-efficients.

Estimation (25 percent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation methods of maximum likelihood, minimum chi-square, moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators, Cramer-Rao inequality, Bhattacharya bounds. Sufficient estimator. Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

Hypothesis testing (25 percent weight)

Simple and composite hypotheses. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test. Wald's SPRT. OC and ASN functions. Elements of decision and game theory.

Multivariate Analysis (25 percent weight)

Multivariate normal distribution. Estimation of mean Vector and covariance matrix. Distribution of Hotellings T^2 statistic, Mahalanobis's D^2 statistics, partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

Statistics—III

NOTE : Only Essay type questions not involving lengthy and complicated proof, will be set.

PART A (Compulsory for all)

Sampling Techniques (35 percent weight)

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocations. Cost and variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster double, multiphase, multistage, and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

Economic Statistics (25 percent weight)

Components of time series. Methods of their determination—Variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

PART B

Candidates will be allowed option of answering questions on any one of the following topics

(i) Statistical Quality Control and Operations research (40 percent weight)

Different kinds of control charts for variables and attributes. Acceptance sampling by attributes—single, double multiple, and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOQL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of dodge—Romig and other tables.

Operations research approach. Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of duality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. M/M/I, M/M/C models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) Demography and Vital Statistics (40 percent weight)

The life table, its construction and properties. Makeham's and Gompertz curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration; net migration. International and postcensal estimates. Projection methods including logistic curve fitting. Decennial population censuses in India.

(iii) Design and Analysis of Experiments (40 percent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and latin square designs. Factorial experiments and confounding 2^n and 3^n experiments. Split-plot and strip-plot designs. Construction and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) Econometrics (40 percent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-squares, heteroscedasticity, serial correlation, multi-collinearity, errors in variables model. Simultaneous equation models—Identification, rank and order conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

PART B

Viva Voce.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Services or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study, also in events which are happening around him both within and without his own state or country, as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination :

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows :

Selection Grade Rs. 2000-125/2-2250.
(Non-functional)

Grade I—Director Rs. 1800-100-2000.

Grade II—Joint Director—Rs. 1500-60-1800.

Grade III—Deputy Director—Rs. 1100-50-1600.

Grade IV—Assistant Director Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension etc. for officers of the two services will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services, Group 'A'.

8. Conditions of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—
He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—
He will be made to stand erect with his feet together, and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side, and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted & the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84-89 86-93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidates will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fraction of a half of a kilogram should not be noted.

6.(a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses.

Distance vision		Near vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
(Corrected vision)		(Corrected vision)	
6/9	6/9 or		
6/9	6/12	J. I	J. II

(d) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be

progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) Field of vision.—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the peremeter.

(f) Night Blindness.—Broadly there are two types of night blindness. (1) as a result of vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa, in (1) the fundus is normal, generally seen in younger age-group and ill-nourished persons, and improves by large doses of Vit. A in (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in his category is an adult, and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in his category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment, and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical considerations it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) Ocular condition other than visual acuity.—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) Squint.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) One eye.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is embylopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit such persons provided the normal eye has :—

(i) 6/6 distant vision and JJ near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 diopters for distant vision

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) Contact Lenses.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant visions should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure.

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15-25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic

disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff (Some times as the cuff is deflated sounds are heard, at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test & will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist: provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- (1) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency
- (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decibel in speech frequencies of 1000 to 40000 .

- (3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.

(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.

(ii) Marginal or attic perforation in both ears—unfit.

(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.

- (4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.

(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.

(ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.

- (5) Persistently discharging ear-operated/unoperated.

Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.

- (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum

(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—temporarily unfit.

- (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.

(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily Unfit.

- (8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.

(i) Benign tumours—Temporarily unfit.

(ii) Malignant Tumours—Unfit.

- (9) Otosclerosis

If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.

- (10) Congenital defects of ear, nose or throat :

(i) If not interfering with function fit

Stuttering of severe degree—unfit.

- (11) Nasal Poly

Temporarily Unfit.

- (b) that his speech is without impediment.
- (c) that his teeth, are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound.)
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease.
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g., if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidate may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Cabinet Sectt. (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective

service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician, (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should be as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (Medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letter).....
2. State your age and birth place
2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribals etc, whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No', and if the answer is 'Yes', state the name of the race.....
3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement of or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis;.....

OR

- (b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?.....

4. When were you last vaccinated ?

5. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause ?

6. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
(1)	(2)	(3)	(4)

Meather's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
(5)	(6)	(7)	(8)

7. Have you been examined by a Medical Board before ?

8. If answer to the above is 'yes,' please state what Service/Services you were examined for ?

9. Who was the examining authority ?

10. When and where was the Medical Board held ?

11. Result of the Medical Board's examination. If communicated to you or if known

I declare that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature
Signed in my presence
Signature of the Chairman of the Board.

Note.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate)
Physical Examination

1. General development : Good..... fair.....
Poor.....

Nutrition : ThinAverage..... Obese.....
Height (without shoes) Weight
Best Weight When? any recent
change in weight ? Temperature.....

Girth of Chest :

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin : Any obvious diseases

3. Eyes : (1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual acuity

(6) Fundus examination

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glass		
			Sph.	Cyl.	Axis.
Distant Vision	R.E. L.E.				
Near Vision	R.F. L.E.				

4. Ears : Inspection..... Hearing : Right Ear.....
Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs? if yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart : Any organic lesion ? Rate
Standing.....
After hopping 25 times
2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic
Diastolic

9. Abdomen : Girth Tenderness
Hernia

(a) Palpable : Liver Spleen.....
Kidneys Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.

- (c) Albumen
- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cells
13. Report of Screening X-ray Examination of Chest
14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?
- Note.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.
15. (i) Has he been found qualified in all respect for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service and Indian Statistical Service ?
- (ii) Is the candidate fit for field service
- Note.—The Board should record their findings under one of the following three categories :—
- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of
- (iii) Temporarily unfit on account of
- Place Chairman
- Date Member
- Member

APPENDIX—IV

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts.' Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.

1. ☐ a ☐ b ☒ c ☐ d ☐ e

2. ☐ a ☐ b ☐ c ☐ d ☒ e

3. ☒ a ☐ b ☐ c ☐ d ☐ e

Your answer sheet (specimen enclosed) will be scored by an optical scoring machine which is sensitive to improper marking, use of non-HB pencils, and mutilated answer sheets. It is, therefore important that—

1. You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items. The machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spindle it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**
5. Write clearly in ink the name of the examination, test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous than you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your *pen*. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are *not* allowed to break the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the Supervisor.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

G. CONCLUSION OF TEST.

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet and the answer sheet out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?

- (a) the successors of Asoka were all weak
- (b) there was partition of the Empire after Ashoka
- (c) the northern frontier was not guarded effectively
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

2. In a parliamentary form of Government

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
- (b) the Legislature is responsible to the Executive
- (c) the Executive is responsible to the Legislature
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to :—

- (a) facilitate development
- (b) prevent disciplinary problems
- (c) provide relief from the usual class room work
- (d) allow choice in the educational programme.

(Answer—d)

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

(Answer—d)

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS

DEPARTMENT OF CHEMICALS AND FERTILIZERS

New Delhi, the 13th February 1979

No. 151(6)/79-Ferts.Coord.—In pursuance of Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers, Deptt. of Chemicals and Fertilizers Resolution No. L-16013(4)/78-Ch.If/Desk,

dated 10th April 1978 constituting an Advisory Committee on Chemicals and Fertilizers, the following non-officials are nominated as Members of the said Committee.

(1) Members of Parliament

- (i) Shri M. R. Krishna,
Member of Parliament (Rajya Sabha)
4 Kushak Road, New Delhi.
- (ii) Smt. Aziza Imam,
Member of Parliament (Rajya Sabha)
39 South Avenue, New Delhi.
- (iii) Shri Balwant Singh Ramoowalia,
Member of Parliament (Lok Sabha)
10 Meenabagh, New Delhi.
- (iv) Shri A. Bala Pajanor,
Member of Parliament (Lok Sabha)
42 Canning Lane, New Delhi.
- (v) Shri Balak Ram,
Member of Parliament (Lok Sabha)
89 South Avenue, New Delhi.

(2) Representatives of the Industry

- (i) Shri M. A. Chidambaram,
Chairman,
Southern Petro-Chemical Industries Corp. Ltd.,
MADRAS.
- (ii) Shri S. K. Agarwal,
Managing Director,
Kumar Bronze powders Ltd.,
Tarikheth.
- (iii) Maj. Kapil Mohan,
Chairman,
Mohan Meakin Breweries Ltd.,
46-Pusa Road,
NEW DELHI.

(3) Representatives of Academic Institutions

- (i) Prof. M. M. Sharma,
Professor of Chemical Engineering,
Deptt. of Chemical Technology,
BOMBAY University, Bombay.
- (ii) Dr. A. S. Cheema,
Vice-Chancellor,
Punjab Agricultural University,
LUDHIANA.

(4) Non-Official Public Men

- (i) Shri Robin Mitra,
Hevett Road,
LUCKNOW.
- (ii) Shri Sudarshan Nair,
General Secretary,
Trivandrum,
KERALA.
- (iii) Shri G. S. Nihalsinghwal,
Ex-Parliamentary Secretary, Punjab,
Sec. II-B, House No. 708,
CHANDIGARH.

K. P. SRIVASTAVA, Dy. Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 20th January 1979

RESOLUTION

No. 19-80/77-FRY(FD).—The Government of India have decided to reconstitute with immediate effect the Indian Lac Development Council set up vide their Resolution No. 45-1/73-CA I, dated the 6th November 1973. The reconstituted Council will be composed as follows :—

I. CHAIRMAN

A non-official to be nominated by the Government of India.

II. VICE-CHAIRMAN

Inspector General of Forests to the Government of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture).

III MEMBERS

(A) Representatives of State Governments.

One representative from each of the following State Governments to be nominated by the respective State Governments.

- (i) Bihar.
- (ii) Madhya Pradesh.
- (iii) Maharashtra.
- (iv) Orissa.
- (v) West Bengal.

(B) Representatives of Central Government.

- (i) One representative of the Planning Commission.
- (ii) One representative of the Ministry of Commerce.
- (iii) Agriculture Commissioner to Government of India or his nominee.
- (iv) Director General, Indian Council of Agricultural Research or his nominee.
- (v) Deputy Inspector General of Forests dealing with Lac in Forest Division.
- (vi) Director, Indian Lac Research Institute, Ranchi.

(C) Growers' Representatives

One Growers' Representative each to be nominated by the respective State Governments from the following lac growing States :

- (i) Bihar.
- (ii) Madhya Pradesh.
- (iii) Orissa.
- (iv) Uttar Pradesh.
- (v) West Bengal.

(D) Representatives of Traders

- (i) Three representatives of traders to be nominated on the Council by Ministry of Commerce out of the candidates recommended by various recognised chambers of Commerce and other trade Bodies.
- (ii) Chairman Shellac Export Promotion Council

(E) Representatives of Industry

Three representatives of Lac Processing Industry.

(F) OTHERS :

- (i) Three Members of Parliament to be nominated by the Department of Parliamentary Affairs
- (ii) One Representative each of Workers :
 - (a) engaged in farms.
 - (b) engaged in factories.

(G) Such additional persons as may, from time to time, be nominated by the Government of India to represent interest(s) not already represented on the Council.

IV. MEMBER SECRETARY :

The Director, Directorate of Lac Development, Ranchi.

V. OBSERVERS :

(who would not be members of the Council but may be invariably invited to assist the Council in the deliberations).

1. Chairman, State Trading Corporation or his representatives.
2. Agricultural Marketing Adviser, Government of India, Ministry of Agriculture and Irrigation or his representative.
3. Financial Adviser, Ministry of Agriculture and Irrigation.
4. Economics and Statistical Adviser, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture) or his representative.
5. National Cooperative Development Corporation, New Delhi.
6. Joint Commissioner (CC), Ministry of Agriculture and Irrigation, Department of Agriculture, New Delhi

7. Bihar State Lac Cooperative Marketing Federation Ltd., Ranchi.

FUNCTIONS

2. The Council will be an advisory body and will have the following functions :—

- (i) to consider the development programmes formulated on lac by the Central and State Governments, review their progress from time to time and recommend measures for accelerating progress;
- (ii) to examine the problems of marketing, processing storage and transport of lac and its trade and pricing and to advise the Government thereon;
- (iii) to bring suitable coordination between research and development programme on lac by formulation of the programme and in advising research agencies about the quality needs of the market in the commodity;
- (iv) to consider the needs of the export market for lac and adjust the programmes of development suitably thereto; and
- (v) to perform such other functions likely to assist in the development of lac, as may be assigned from time to time.

3. The Indian Lac Development Council will have powers to set up Standing Committee, Technical Committee and *ad-hoc* Committee to look into specific issues and to co-opt members, where necessary for particular purpose (such as representatives of Agricultural Universities and other special interests).

4. The Council will meet periodically in areas in which lac is grown at important centres of trade and industry and will make recommendations to the Government of India.

5. The Council will continue to function until it is abolished by a Resolution of the Government. The term of the Chairman and other non-official members of the Council would be three years from the date they are nominated on the Council unless this period is curtailed or extended by a specific order of the Government of India. A non-official member would, however, be eligible for being considered for re-appointment.

6. Those members of the Council who are nominated from among Members of the Parliament will cease to be the members of the Council as soon as they cease to be Members of the Parliament.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of Union Territories and Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariat.

2. ORDERED also that the Resolution be published in Gazette of India for general information.

The 7th February 1979

RESOLUTION

No. 1-1/79-FRY(FD).—At the Twenty-third General Assembly of the European Confederation of Agriculture, held in Spain, it was approved to establish a World Forestry Day for which the co-operation of all concerned International Organisations was requested. Accordingly, it was recommended to observe the World Forestry Day on 21st March every year and also to establish a Forestry Day Commission for the purpose in each country.

2. In view of the fact that there is considerable lack of knowledge of what forest wealth means to man, considering that dissemination of available information on Forestry would be useful and that focussing the attention of the public on various forestry problems would involve enthusiasm and interest in forestry, the Standing Committee of the Central Board of Forestry at its meeting held in November 1973, had recommended the acceptance of the proposal for setting up a suitable National Forestry Day Commission in the country.

3. The Government of India have accepted the recommendation and have decided to constitute a National World

Forestry Day Committee. The composition of the Committee shall be as follows :

CHAIRMAN

1. Inspector General of Forests.

MEMBERS

2. Joint Secretary (F&WD).
3. Additional Inspector General of Forests.
4. President, Forest Research Institute and Colleges, Dehradun.
5. Director General of Tourism.
6. Director General, All India Radio.
7. Representative of Bombay Natural History Society.
8. Representative of Million Trees Club, Mangalore.
9. Representative of Youth Hostel Association of India, New Delhi.
10. Representative of Friends of Trees, Bombay.
11. Representative of Satya, New Delhi.
12. Representative of National Committee on Environmental Planning and Co-ordination.
13. Representative of Ministry of Education and Social Welfare (Department of Education).
14. Director Public Relations, Department of Agriculture.
15. Representative of Himalayan Seva Sangh.
16. Representative of Door Darshan.
17. Development Commissioner, Delhi Admn. Delhi.

MEMBER SECRETARY

18. Secretary, Central Forestry Commission.

4. The functions of the Committee shall be :—

- (a) To advise the Central and State Governments on the ways and means to celebrate the World Forestry Day on 21st March every year.
- (b) To promote public interests in Forests and the need for its preservation in harmony with natural and human environment.
- (c) To assist and encourage formation of nature conservation societies and to act as a Central Coordination Agency for such bodies.

- (d) To perform such other functions as are germane to the purposes for which this Committee has been constituted.

5. The term of the Committee would be one year. The Committee will decide its own working.

6. Non-official members would be paid TA/DA to attend the meeting in accordance with the orders of the Ministry of Finance contained in their O.M. No. 6(26)E-IV/59, dated the 5th September 1960 as amended from time to time as for Grade I officers of the Government of India.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N. D. JAYAL, Jt. Secy.

DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE

New Delhi-110001, the 23rd February 1979

RESOLUTION

No. 1-32/77-CSWB.—In continuation of Resolution No. F. 1-32/77-CSWB. dated 22nd April 1978, the Government of India is pleased to nominate the following persons on the General Body of the Central Social Welfare Board with immediate effect, as representatives of the State mentioned against each :—

Name of the State/Deptt. and Name of the representative

1. Andhra Pradesh—Smt. Durga Bhaktavatsal.
2. Tripura—Smt. Ila Bhattacharya.

2. The tenure of the Board is upto 30 September 1980.

3. The name of Begum Sheikh Mohammad Abdullah as the representative of Jammu and Kashmir referred to in the Resolution under reference may be read as Smt. Akbar Jahan Begum.

4. The name of Smt. Sabita Pradhani as the representative of Assam referred to in the Resolution No. 1-32/77-CSWB. dated 5th July 1978 may be read as Smt. Sabita Rani Pradhani.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :—

1. All Members of the Central Social Welfare Board.
2. All the State Governments/Union Territories.
3. All the Ministries/Departments of the Government of India.
4. President's Secretariat.
5. Prime Minister's Office.
6. Planning Commission.
7. Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat.
8. Cabinet Secretariat.
9. Press Information Bureau, New Delhi.
10. The Accountant General Central Revenue, New Delhi.
11. Department of Company Affairs, New Delhi.
12. Regional Director, Company Law Board, Kanpur.
13. Registrar of Companies, New Delhi.
14. Secretary, C.S.W.B., New Delhi.
15. All Chairmen, State Social Welfare Advisory Boards.
16. PS to Governors/Administrators/I.A. Governors/Chief Commissioners of States/UTs.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

O. P. SINGH BHATIA, Dy. Secy.

DEPARTMENT OF CULTURE

New Delhi, the 26th February 1979

RESOLUTION

No. F. 1-6/78-CHI.—In partial modification of this Department Resolution No. F.1-6/78-CAI(I), dated the 13th October 1978, regarding the reconstitution of the Indian Council of Historical Research, New Delhi the entry "Financial Adviser" Ministry of Education and Social Welfare appearing at S. No. 25 may be read as Financial Adviser, Ministry of Education and Social Welfare or his representative."

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Director Indian Council of Historical Research, 35, Ferozeshah Road, New Delhi.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

KAPILA VATSYAYAN,
Jt. Educational Adviser

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 19th January 1979

No. J-13037/41/77-DDIHA.—In pursuance of sub-section (5) of section 23 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957) the Central Government hereby approves the issue of Debentures by the Delhi Development Authority in the open market in January 1979 on the following terms:—

Amount : Rupees 9.25 crores (with right to retain excess subscriptions upto ten per cent of the amount).

Issue Price : At par.

Currency : 10 years.

Rate of Interest : 6½% per annum.

Brokerage : Not exceeding 6 paise per Rs. 100.

Underwriting commission : Not exceeding 38 paise per Rs. 100.

2. The Central Government hereby guarantees the repayment of the principal and of interest on the aforesaid Debentures to be issued by the Delhi Development Authority.

S. P. BISWAS, Dy. Secy.

